Dainik Jagran, Muzaffarpur, Date : 03.09.2024, Page-04

कालेज नहीं देते अंकपत्र, दौड़ रहे विद्यार्थी

छात्र संवाद में आए मामलों में 90 प्रतिशत से अधिक कालेजों की लापरवाही से जुड़े

[illegible]

रिजल्ट जारी नहीं होने पर छात्र-छात्राओं का हंगामा

[illegible]

Hindustan, Muzaffarpur, Date: 03.09.2024, Page-02

[illegible]

विवि ने भेजी, कॉलेज ने नहीं दिया अंकपत्र

बीआरएबीयू

- छात्र संवाद में सामने आई विद्यार्थियों की समस्या
- कॉलेजों को दिया गया अंकपत्र देने का निर्देश

[illegible]

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE:03.09.2024, PAGE-02

विवि में जीविका दीदी चलाएंगी कैंटीन नाश्ते से लेकर खाने तक का इंतजाम

मुजफ्फरपुर | बीआरएबीयू में कैंटीन की जिम्मेदारी जीविका दीदी को दी जा सकती है। सरकार की ओर से पहले ही विश्वविद्यालय सहित हॉस्टलों में कैंटीन और मेस चलाने के लिए जीविका समूहों को प्राथमिकता दी गई है। इसी आधार पर विश्वविद्यालय में भी योजना बन रही है। अधिकारी जीविका समूहों के साथ इसको लेकर बातचीत में जुटे हैं। जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। विश्वविद्यालय में प्रशासनिक भवन के साथ ही नए और पुराने गेस्ट हाउस में कैंटीन शुरू करने का प्रस्ताव है। इससे विश्वविद्यालय में आने वाले दूसरे जिलों के छात्रों व अभिभावकों के लिए सहूलियत होगी। इसके साथ ही गेस्ट हाउस में ठहरने वाले अतिथियों के लिए भोजन का भी इंतजाम किया जा सकता है। अभी प्रशासनिक भवन स्थित कैंटीन का संचालन दूसरे वेंडर के जिम्मे है। लेकिन, कई दिनों तक लगातार कैंटीन बंद रहने से व्यवस्था सुचारू नहीं हो पा रही है। अधिकारियों की योजना थी कि प्रशासनिक भवन में कैंटीन सुचारू होने के बाद गेस्ट हाउस में भी विस्तार किया जाएगा। लेकिन, 2-3 महीनों में एक जगह ही ढंग से संचालन नहीं हो सका। ऐसे में बदलाव की योजना तैयार की गई है। जीविका समूहों से कैंटीन के संचालन को लेकर बातचीत चल रही है। अधिकारियों का कहना है कि बाहर से आने वाले छात्रों व अभिभावकों को कैंपस में बेहतर व गुणवत्तापूर्ण सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। कैंटीन में नाश्ते से लेकर भोजन तक की व्यवस्था सुनिश्चित होगी, तभी उसका संचालन भी सही तरीके से हो सकेगा।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE: 03.09.2024, PAGE-02

स्नातक व पीजी के तीन हजार छात्रों की एबीसी आईडी तैयार

मुजफ्फरपुर | बीआरएबीयू में स्नातक व पीजी के करीब 3 हजार स्टूडेंट्स की एबीसी आईडी तैयार हो गई है। विवि के निर्देश के बाद अंगीभूत कॉलेजों से लेकर पीजी विभागों में एबीसी (एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट) तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हालांकि, कॉलेजों की ओर से बताया गया है कि इसमें कुछ परेशानियां भी आ रही हैं। इसके लिए विवि की ओर से कार्यशाला आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय की ओर से प्रयास किया जा रहा है कि पीजी विभागों में नामांकित छात्र-छात्राओं की एबीसी आईडी पहले तैयार कर ली जाए। इसका फायदा विवि को नैक मूल्यांकन में होगा। साथ ही पीजी में नामांकित छात्र-छात्राओं की संख्या स्नातक की तुलना में कम होने के कारण इसे तैयार करने में सहूलियत भी होगी। पिछले दिनों विश्वविद्यालय की ओर से सभी कॉलेजों में एबीसी आईडी के लिए नोडल पदाधिकारी बनाए जाने का निर्देश दिया गया था। इस आधार पर अब तक सभी कॉलेजों ने इसकी जानकारी विश्वविद्यालय को उपलब्ध नहीं कराई है। अधिकारियों का कहना है कि विश्वविद्यालय के सभी कोर्स में नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए एबीसी आईडी बनाना अनिवार्य है। इसे डिजीलॉकर से जोड़ा जाएगा। इसमें स्टूडेंट्स अपना अंकपत्र से लेकर अन्य डॉक्यूमेंट भी अपलोड कर सकेंगे। विभिन्न सेमेस्टरों में अर्जित क्रेडिट को भी उसमें स्टोर किया जाएगा। इसके लिए स्टूडेंट्स की ईमेल आईडी के साथ-साथ आधार नंबर के साथ लिंक्ड मोबाइल नंबर भी होना जरूरी है।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR, DATE : 03.09.2024, PAGE-02

सीनेट चुनाव • 41 शिक्षकों ने किया था नामांकन, एक पर्चा रद्द, दो का निर्विरोध निर्वाचन तय

2 ने वापस लिया नाम, अब 13 सीटों के लिए भिड़ेंगे 36 दावेदार, अपने बूते पांच महिलाएं भी मैदान में

रिटर्निंग ऑफिसर आज जारी करेंगी फाइनल लिस्ट

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू के सीनेट चुनाव में कुल 15 पदों के लिए चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। इसमें ग्रुप ए से 2 पदों पर 1-1 उम्मीदवार होने के कारण निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। वहीं, अब 13 पदों के लिए कुल 36 शिक्षक दावेदारी करेंगे। कुल 41 शिक्षकों ने नामांकन दाखिल किया था। इसमें 1 उम्मीदवार का नामांकन रद्द हो गया, जबकि ग्रुप बी से जयनाथ कुमार व डॉ. रफीउल्लाह अंसारी ने सोमवार को नामांकन वापस ले लिया। रिटर्निंग ऑफिसर कुलसचिव डॉ. अपराजिता कृष्णा ने बताया कि मंगलवार को प्रत्याशियों की फाइनल सूची प्रकाशित कर दी जाएगी। इधर, सीनेट के चुनाव में 5 महिलाएं भी अपने बूते मैदान में उतरी हैं। वे प्रचार में भी कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। हालांकि, शिक्षक प्रतिनिधि के लिए हो रहे चुनाव में महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। सभी तीनों कैटेगरी में कोटिवार सीट आरक्षित की गई है। इसपर 5 महिलाओं ने दावेदारी की है। पीजी विभाग से 3 में 1 सीट एसटी कैटेगरी की है, जिसपर आईईएस केरकेट्टा का निर्विरोध निर्वाचन तय है। ग्रुप बी यानी अंगीभूत कॉलेजों से जनरल कैटेगरी में 9 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं। इसमें जनरल कैटेगरी में आरबीबीएम कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेणुबाला और एलएस कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. साजिदा अंजुम दौड़ में शामिल हैं। वहीं, ओबीसी कैटेगरी से वैशाली महिला कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेशमा सुल्ताना और एसटी कैटेगरी से डॉ. निशि कांति ने दावेदारी की है। अन्य प्रत्याशियों की तरह ये महिला दावेदार भी नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद से ही तैयारी में जुट गईं। अपने कॉलेजों में कैंपेनिंग करने के साथ ही सहयोगी शिक्षकों के सहयोग से अन्य कॉलेजों में भी संपर्क साध रही हैं।

मैदान में बचे प्रत्याशी

ग्रुप-ए

जनरल : डॉ. प्रमोद कुमार व डॉ. राजेश्वर सिंह
एससी : डॉ. विनोद बैठा
एसटी : आईईएस केरकेट्टा

ग्रुप-बी

जनरल : डॉ. रेणुबाला, डॉ. आशुतोष, डॉ. जयकांत सिंह, मो. निजामुद्दीन, डॉ. राकेश कुमार सिंह, डॉ. साजिदा अंजुम, डॉ. शशि बी. कुमार, डॉ. उदय कुमार व डॉ. विकास मंडल ओबीसी : डॉ. रेशमा सुल्ताना, डॉ. अशोक कुमार साह, डॉ. रमेश प्रसाद गुप्ता, डॉ. संजय कुमार सुमन व डॉ. शारदा नंद सहनी
एससी : डॉ. रमाशंकर रजक, डॉ. भारत भूषण, डॉ. मुकेश कुमार सरदार, डॉ. सुखलाल पासवान व प्रो. दीपक प्रसाद
एसटी : डॉ. निशि कांति व डॉ. रवि शंकर सिंह

ग्रुप-सी

जनरल : डॉ. बबीता कुमारी, डॉ. बाबू लाल राय, डॉ. धर्मेंद्र कुमार चौधरी, डॉ. कुमार अमितेश रंजन, डॉ. नवल किशोर सिंह, डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह, रणविजय कुमार सिंह, डॉ. रमण कुमार व डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह ओबीसी : डॉ. मनोज कुमार, डॉ. रमेश सिंह व डॉ. बासुदेव साह।